Recent Trends in Economic Geography; Its Relation with Economics, and Allied Subjects.

आर्थिक भूगोल की नवीन प्रवृतियाँ

- प्राचीन काल से वर्तमान तक आर्थिक भूगोल की प्रकृति में लगातार परिवर्तन हो रहा है।
- औद्योगिक क्रांति, संसाधनों की खोज, यंत्रो की खोज, तकनीकी विकास आदि के कारण आर्थिक क्रियाएं लगातार परिवर्तित हो रही हैं।
- अतः यह एक गतिशील विषय है जिसमें समय के साथ वर्तमान में कई नवीन प्रवृतियों **(Trands)** का समावेश **(Input)** हो रहा है जो निम्नलिखित हैं–

आर्थिक भूगोल की नवीन प्रवृतियाँ

- **मात्रात्मक विधियों का उपयोग (Use of Quantitative Methods)**
- प्रतिरूपों के प्रयोग में वृद्धि **(Use of Models)**
- वायु फोटोग्राफी का उपयोग **(Use of Aerial Photography)**
- सुदूर संवेदन तकनीक का उपयोग **(Use of RS)**
- भौगोलिक सूचना तंत्र का प्रयोग **(Use of GIS)**
- मानचित्रों के उपयोग में वृद्धि **(Use of Maps)**
- आर्थिक प्रादेशिकरण **(Economic Regionalization)**
- आर्थिक नियोजन **(Economic Planning)**
- विशेषीकरण की प्रवृत्ति **(Trends of Specialization)**
- मानव कल्याण पर जोर **(Emphasize on Human Welfare)**
- सतत् विकास पर जोर **(Emphasize on Sustainable Development)**

Conclusion

- उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि वर्तमान में आर्थिक भूगोल में कई नवीन प्रवृतियों को अध्ययन किया जा रहा है।
- इन प्रवृतियों के अतिरिक्त आर्थिक भूगोल में एक अन्तरानुशासनिक विषय, समाकलित उपागम, व्यावहारिक उपागम आदि पर भी जोर दिया जा रहा है।
- अतः हम कह सकते है कि आर्थिक भूगोल में नवीन तथ्यों का लगातार समावेश किया जा रहा है।

आर्थिक भूगोल का अर्थशास्त्र एवं अन्य सहयोगी विषयों के साथ संबंध
(Relation of Economic Geography with Economics and Allied Subjects)

- मानव की सभी आर्थिक गतिविधियों का अध्ययन आर्थिक भूगोल में किया जाता है।
- अतः इस विषय में हमें उन सभी तथ्यों का अध्ययन भी करना पड़ता है जो इन आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करते हैं।
- इसलिए हमें आर्थिक भूगोल में अनेक विषयों की सहायता लेनी पड़ती है जिससे इसका संबंध उन सभी विषयों से हो जाता है।

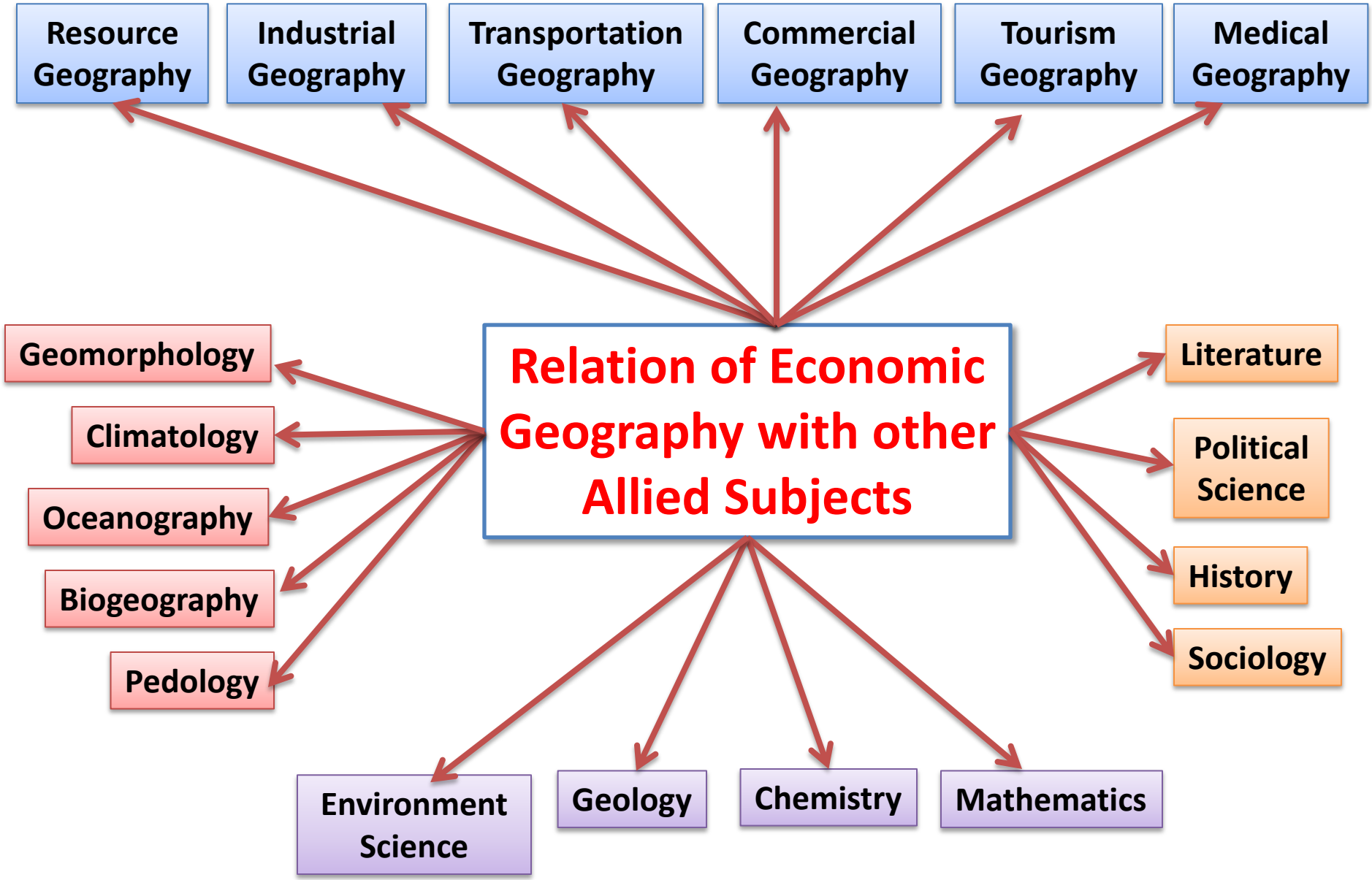
Resource Geography
Industrial Geography
Transportation Geography
Commercial Geography
Tourism Geography
Medical Geography
Relation of Economic Geography with other Allied Subjects
Geomorphology
Climatology
Oceanography
Biogeography
Pedology
Literature
Political Science
History
Sociology
Environment Science
Geology
Chemistry
Mathematics

निष्कर्ष

- उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि आर्थिक भूगोल अपने आप में एक विषय होने के बावजुद भी वह अर्थशास्त्र सहित सभी अन्य प्रमुख विज्ञानों से जुड़ा हुआ है।
- कोई भी विज्ञान अपनी विषय वस्तु को अन्य विज्ञानों से जोड़कर ही समृद्ध बना सकता है। अतः यह कार्य आर्थिक भूगोल भी करता है।